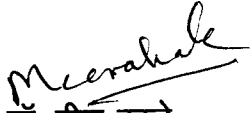


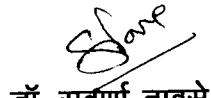
13


उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2017-2020

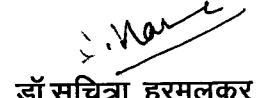
बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के लिये अंक निर्धारण योजना:-

पेपर	नियमित विद्यार्थियों के लिये Max. Marks	स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिये Max. Marks
सैद्धांतिक	50	70
त्रैमासिक मूल्यांकन	10	-
छःमाही मूल्यांकन	10	-
प्रायोगिक प्रथम	40	40
प्रायोगिक द्वितीय	40	40
कुल योग	150	150


डॉ. मीरा काले
(अध्यक्ष)


डॉ. सुवर्णा तावसे
(सदस्य)


डॉ. लतासिंह मुंशी
(सदस्य)


डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(सदस्य)

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2017-2018

कक्षा	—	बी.ए. प्रथम वर्ष
विषय	—	नृत्य-कथक
प्रश्न-पत्र	—	सैद्धान्तिक
अधिकतम अंक	—	50

उद्देश्य :- भारतीय नृत्यकला विद्यार्थी को शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक स्तर पर सशक्त बनाती है, भारत में शास्त्रीय नृत्यों की एक समृद्ध परम्परा और इतिहास है। ये नृत्य हमारी सांस्कृतिक विरासत की मजबूत कड़ी है।

भारतीय कला व संस्कृति से परिचय कराती नृत्यकला का उच्च शिक्षा के अन्तर्गत विषय के रूप में अध्ययन न केवल छात्र को अपनी मजबूत सांस्कृतिक विरासत से परिचित करावेगा, अपितु उसे इस कला के शास्त्र और प्रायोगिक पक्ष में निहित सौन्दर्य को समझने का अवसर भी प्रदान करेगा।

—:इकाई प्रथम:—

- कथक नृत्य के उद्भव व विकास का प्रारंभिक ज्ञान।
- कथक नृत्य का सामान्य परिचय।
- कथक नृत्य का प्रदर्शन क्रम।

—:इकाई द्वितीय:—

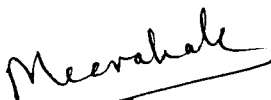
- नाट्य, नृत्त एवं नृत्य का परिचयात्मक ज्ञान।
- नर्तक नर्तकी व नृत्याचार्य के गुण दोष।
- नृत्य करने के शारीरिक एवं मानसिक लाभ।


—:इकाई तृतीय:—


- अभिनय दर्पण के अनुसार:—
ग्रीवा भेद, शिरो भेद, 28, असंयुक्त हस्त्र मुद्राएँ, विनियोग तथा प्रयोग सहित


—:इकाई चतुर्थ:—

- कथक नृत्य में प्रयुक्त होने वाले पारम्परिक वाद्ययंत्रों का परिचय।
- निम्नलिखित परिभाषिक शब्दों का ज्ञान:—
सम, मात्रा, लय, आवर्तन, विभाग, ताली-खाली, थाट, आमद, परन कवित्त, तोड़ा टुकड़ा, गतनिकास, गतभाव,


डॉ. मीरा काले
(अध्यक्ष)


डॉ. सुवर्णा तावसे
(सदस्य)


डॉ. लतासिंह मुंशी
(सदस्य)


डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(सदस्य)

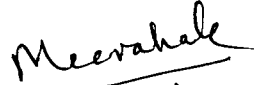
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2017-2018


—:इकाई पंचम:—


- ताल त्रिताल में नृत्य के बोलों को लिपिबद्ध करना।
- ताल दादरा, कहरवा व त्रिताल का परिचय तथा ठेके को ठाह, दुगुन में लिखने का अभ्यास।
- निम्नलिखित कलाकारों का जीवन परिचय:—
 1. पण्डित बिन्दादीन महाराज
 2. पण्डित जयलाल महाराज
 3. श्रीमती सितारा देवी


पाठ्यक्रम हेतु संदर्भित पुस्तकों की सूची:—

1. कथक नृत्य शिक्षा भाग-1 डॉ. पुरु दाधीच
2. कथक नृत्य शिक्षा भाग-2 डॉ. पुरु दाधीच
3. कथक दर्पण - तीरथराम आजाद
4. नृत्य निबंध - डॉ. पुरु दाधीच
5. भारत के लोकनृत्य - श्याम परमार
6. कथक अक्षरों की आरसी - डॉ. ज्योती बक्सी


डॉ. मीरा काले
(अध्यक्ष)


डॉ. सुवर्णा तावसे
(सदस्य)


डॉ. लतासिंह मुंशी
(सदस्य)

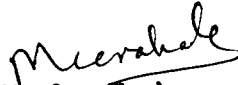

डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(सदस्य)


उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2017-2018


कक्षा	—	बी.ए. प्रथम
विषय	—	नृत्य—कथक
प्रश्न—पत्र	—	प्रथम, प्रायोगिक
अधिकतम अंक	—	40

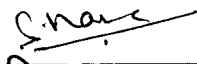
—:ताल नर्तन:—

- ताल त्रिताल में सम्पूर्ण नर्तन:—
 1. तत्कार — थाह, दुगुन व चौगुन लय में
 2. नमस्कार
 3. थाट — 02
 4. आमद — 01
 5. टुकड़े — 02
 6. तोड़े सादे — 03
 7. चक्रदार — 02
 8. सादी परन— 02
 9. चक्रदार — 01
 10. तिहाईयां — 02
 11. कवित्त — 01
- ताल झपताल में नर्तन:—
 1. तत्कार — थाह व दुगुन लय में
 2. सादे तोड़े — 02
 3. तिहाई — 01
- ताल परिचय व तत्कार का ज्ञान:—
 1. दादरा
 2. कहरवा
- सभी बोलो को हाथ से ठेका देकर बोलने का अभ्यास


डॉ. मीरा काले
(अध्यक्ष)


डॉ. सुवर्णा तावसे
(सदस्य)


डॉ. लतासिंह मुंशी
(सदस्य)

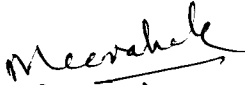

डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(सदस्य)


उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2017-2018

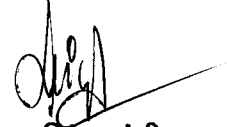
कक्षा	—	बी.ए. प्रथम
विषय	—	नृत्य-कथक
प्रश्न-पत्र	—	द्वितीय, प्रायोगिक
अधिकतम अंक	—	40

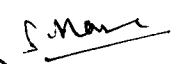
—:अभिनय:—

- गुरु वन्दना—
- गत निकास—
 1. सीधी गत
 2. मुरली की गत
 3. मटकी की गत
- ग्रीवा भेदो का प्रायोगिक प्रदर्शन
- शिरो भेदो का प्रायोगिक प्रदर्शन
- 28, असंयुक्त हस्तमुद्राओं का प्रायोगिक प्रदर्शन


डॉ. मीरा काले
(अध्यक्ष)


डॉ. सुवर्णा तावसे
(सदस्य)


डॉ. लतासिंह मुंशी
(सदस्य)


डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(सदस्य)

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2018-2019

कक्षा	—	बी.ए. द्वितीय वर्ष
विषय	—	नृत्य-कथक
प्रश्न-पत्र	—	सैद्धांतिक
अधिकतम अंक	—	50

उद्देश्य :- भारतीय नृत्यकला विद्यार्थी को शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक स्तर पर सशक्त बनाती है, भारत में शास्त्रीय नृत्यों की एक समृद्ध परम्परा और इतिहास है। ये नृत्य हमारी सांस्कृतिक विरासत की मजबूत कड़ी है।

भारतीय कला व संस्कृति से परिचय कराती नृत्यकला का उच्च शिक्षा के अन्तर्गत विषय के रूप में अध्ययन न केवल छात्र को अपनी मजबूत सांस्कृतिक विरासत से परिचित करावेगा, अपितु उसे इस कला के शास्त्र और प्रायोगिक पक्ष में निहित सौन्दर्य को समझने का अवसर भी प्रदान करेगा।

—:इकाई प्रथम:—

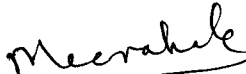
- कथक नृत्य के विभिन्न घरानों का सामान्य परिचय
 1. लखनऊ घराना
 2. जयपुर घराना
 3. बनारस घराना
 4. रायगढ़ घराना
- नवाब वाजिदअली शाह का कथक नृत्य के विकास में योगदान


—:इकाई द्वितीय:—


- अभिनय की परिभाषा एवं उसके भेद।
- रस एवं भाव की परिभाषा।
- नव रसों का सामान्य परिचय।

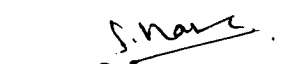
—:इकाई तृतीय:—

- अभिनय दर्पण के अनुसार:-
 - 8 दृष्टि भेद
 - 7 भ्रुकुटी भेद
- नाट्यशास्त्र का सामान्य परिचय
- अभिनय दर्पण का सामान्य परिचय


डॉ. मीरा काले
(अध्यक्ष)


डॉ. सुवर्णा तावसे
(सदस्य)


डॉ. लतासिंह मुंशी
(सदस्य)


डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(सदस्य)

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2018-2019

कक्षा	—	बी.ए. द्वितीय वर्ष
विषय	—	नृत्य-कथक
प्रश्न-पत्र	—	सैद्धांतिक
अधिकतम अंक	—	50

—:इकाई चतुर्थ:—

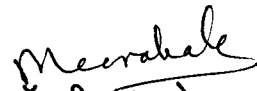
- लोकनृत्य की परिभाषा।
- मध्यप्रदेश के किसी एक लोकनृत्य का विस्तृत परिचय।
- नृत्य का अन्य ललित कलाओं से संबंध।


—:इकाई पंचम:—


- ताल परिचय एवं ठेके को थाह व दुगुन लय में लिखने का अभ्यास।
 1. ताल झपताल
 2. ताल एकताल
- ताल झपताल में बोलो को लिखने का अभ्यास।
- जीवन परिचय:—
 1. पं. कार्तिक राम
 2. डॉ. पुरु दाधीच
 3. श्रीमती कुमुदिनी लाखिया

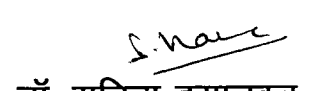
पाठ्यक्रम हेतु संदर्भित पुस्तकों की सूची:—

1. कथक नृत्य शिक्षा भाग-1 डॉ. पुरु दाधीच
2. कथक नृत्य शिक्षा भाग-2 डॉ. पुरु दाधीच
3. कथक दर्पण — तीरथराम आजाद
4. नृत्य निबंध — डॉ. पुरु दाधीच
5. भारत के लोकनृत्य — श्याम परमार
6. कथक अक्षरों की आरसी — डॉ. ज्योती बक्सी


डॉ. मीरा काले
(अध्यक्ष)


डॉ. सुवर्णा तावसे
(सदस्य)


डॉ. लतासिंह मुंशी
(सदस्य)

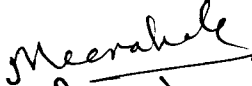

डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(सदस्य)


उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2018-2019

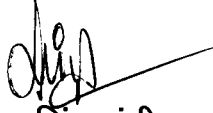
कक्षा	—	बी.ए. द्वितीय वर्ष
विषय	—	नृत्य-कथक
प्रश्न-पत्र	—	प्रायोगिक- प्रथम
अधिकतम अंक	—	40

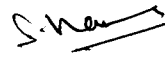
—:ताल नर्तन:—

- ताल झपताल में नर्तन:—
 1. तत्कार — थाह, दुगुन, चौगुन
 2. नमस्कार — 01
 3. थाट — 02
 4. तोड़े — 03
 5. चक्रदार — 02
 6. परन — 02
 7. चक्रदार — 01
 8. कवित — 01
 9. तिहाई — 02
- ताल त्रिताल में ततकार के पल्ले/बाट
- ताल एकताल का परिचय व ठेके की ठाह दुगुन
- हाथ से ताल देते हुए समस्त बोलो को पढ़ने का अभ्यास।


डॉ. मीरा काले
(अध्यक्ष)


डॉ. सुवर्णा तावसे
(सदस्य)


डॉ. लतासिंह मुंशी
(सदस्य)

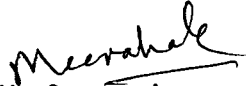

डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(सदस्य)


उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2018-2019

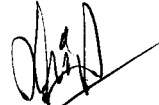
कक्षा	—	बी.ए. द्वितीय वर्ष
विषय	—	नृत्य-कथक
प्रश्न-पत्र	—	प्रायोगिक- द्वितीय
अधिकतम अंक	—	40


—:अभिनय:—

- गणेश वन्दना—
- गत निकास—
 1. घूंघट के प्रकार
 2. रूखसार की गत
- गतभाव— पनघट लीला
- भजन
- दृष्टि भेदों का प्रायोगिक प्रदर्शन
- पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति


डॉ. मीरा काले
(अध्यक्ष)


डॉ. सुवर्णा तावसे
(सदस्य)


डॉ. लतासिंह मुंशी
(सदस्य)


डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(सदस्य)

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2019-2020

कक्षा	—	बी.ए. तृतीय वर्ष
विषय	—	नृत्य-कथक
प्रश्न-पत्र	—	सैद्धांतिक
अधिकतम अंक	—	50

उद्देश्य :- भारतीय नृत्यकला विद्यार्थी को शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक स्तर पर सशक्त बनाती है, भारत में शास्त्रीय नृत्यों की एक समृद्ध परम्परा और इतिहास है। ये नृत्य हमारी सांस्कृतिक विरासत की मजबूत कड़ी है।

भारतीय कला व संस्कृति से परिचय कराती नृत्यकला का उच्च शिक्षा के अन्तर्गत विषय के रूप में अध्ययन न केवल छात्र को अपनी मजबूत सांस्कृतिक विरासत से परिचित करावेगा, अपितु उसे इस कला के शास्त्र और प्रायोगिक पक्ष में निहित सौन्दर्य को समझने का अवसर भी प्रदान करेगा।

—:इकाई प्रथम:—

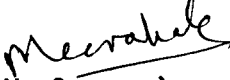
- भारतीय नृत्यकला के विकास का संक्षिप्त इतिहास निम्नलिखित काल खण्डों में:-
 1. वैदिक काल
 2. रामायण, महाभारत काल
 3. पूर्व मध्यकाल
 4. मुगलकाल


—:इकाई द्वितीय:—


- आचार्य भरत वर्णित नाट्यशालाएँ:-
- कथक का नृत्तांग
 1. तत्कार
 2. हस्तक
 3. भ्रमरी
 4. ताल प्रबंध

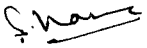
—:इकाई तृतीय:—

- ताल के दश प्राण:-
- ताल शब्दावली :- जरब, कमलय, उठान, फरमाईशी, कमाली, जातीपरन, दुपल्ली, त्रिपल्ली, चौपल्ली
- भातखण्डे ताल पद्धति का सामान्य परिचय


डॉ. मीरा काले
(अध्यक्ष)


डॉ. सुवर्णा तावसे
(सदस्य)


डॉ. लतासिंह मुंशी
(सदस्य)


डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(सदस्य)

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2019-2020

कक्षा	—	बी.ए. तृतीय वर्ष
विषय	—	नृत्य-कथक
प्रश्न-पत्र	—	सैद्धांतिक
अधिकतम अंक	—	50

—:इकाई चतुर्थ:—

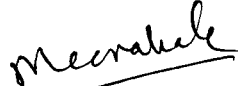
- राजा चक्रधर सिंग का नृत्य के विकास में योगदान।
- नृत्य संबंधी निबंध – अधिकतम 250 शब्द।
 1. नृत्य की गुरु-शिष्य परम्परा
 2. शास्त्रीय एवं लोकनृत्य
 3. नृत्य एवं योग
- रासलीला एवं कथक नृत्य


—:इकाई पंचम:—


- ताल एकताल में बोलो को लिपिबद्ध करने का अभ्यास
- जीवन परिचय:—
 1. श्रीमती रोहिणी भाटे
 2. पण्डित दुर्गालाल
 3. पण्डित बिरजू महाराज

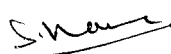
पाठ्यक्रम हेतु संदर्भित पुस्तकों की सूची:—

1. कथक नृत्य शिक्षा भाग-1 डॉ. पुरु दाधीच
2. कथक नृत्य शिक्षा भाग-2 डॉ. पुरु दाधीच
3. कथक दर्पण – तीरथराम आजाद
4. नृत्य निबंध – डॉ. पुरु दाधीच
5. भारत के लोकनृत्य – श्याम परमार
6. कथक अक्षरों की आरसी – डॉ. ज्योती बक्सी


डॉ. मीरा काले
(अध्यक्ष)


डॉ. सुवर्णा तावसे
(सदस्य)


डॉ. लतासिंह मुंशी
(सदस्य)


डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(सदस्य)

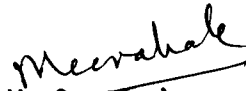
12


उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2019-2020


कक्षा	—	बी.ए. तृतीय वर्ष
विषय	—	नृत्य-कथक
प्रश्न-पत्र	—	प्रायोगिक-प्रथम
अधिकतम अंक	—	40

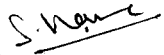
-:ताल नर्तन:-

- ताल एकताल में सम्पूर्ण नर्तन:-
 1. तत्कार — थाह, दुगुन व चौगुन लय में
 2. नमस्कार — 01
 3. थाट — 02
 4. आमद — 01
 5. तोड़े सादे — 02
 6. चक्रदार — 02
 7. सादी परन — 02
 8. चक्रदार — 01
 9. तिहाईयां — 02
 10. कवित्त — 01
- विभिन्न प्रकार के बोलो को करने का अभ्यास:-
 1. गणेश परन
 2. दुपल्ली
 3. फरमाईशी परन
- द्रुत लय में ततकार
- पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति
- सभी बोलो को हाथ से ठेका देकर बोलने का अभ्यास


डॉ. मीरा काले
(अध्यक्ष)


डॉ. सुवर्णा तावसे
(सदस्य)


डॉ. लतासिंह मुंशी
(सदस्य)


डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(सदस्य)

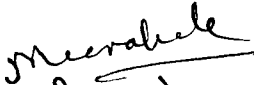
13


उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2019-2020

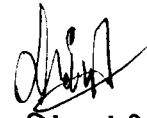
कक्षा	—	बी.ए. तृतीय वर्ष
विषय	—	नृत्य-कथक
प्रश्न-पत्र	—	प्रायोगिक-द्वितीय
अधिकतम अंक	—	40

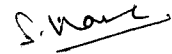
—:अभिनय:—

- विष्णू वंदना / शिव वंदना
- गत निकास
 1. झूमर की गत
 2. आंचल की गत
- गतभाव
 1. माखन चोरी
 2. होरी
- दुमरी — 01


डॉ. मीरा काले
(अध्यक्ष)


डॉ. सुवर्णा तावसे
(सदस्य)


डॉ. लतासिंह मुंशी
(सदस्य)


डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(सदस्य)